उद्यमी बनकर महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रहीं झलक

अजब सिंह भाटी • जागरण

ग्रेटर नोएडा: हाथों में हुनर और हालात बदलने की अभिलाषा से महिलाएं नए मुकाम हासिल कर रहीं हैं। उद्यमिता का क्षेत्र भी अब महिलाओं से अछूता नहीं रह गया है। उन्हीं में शामिल हैं ग्रेटर नोएडा की झलक राघव। बदलाव की चाहत और जज्बे के दम पर वह न केवल महिला सशक्तीकरण की कहानी का किरदार बन न केवल आत्मनिर्भर बनी बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी रोल माडल बनी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी के विजन को आगे बढ़ाते हुए वोकल फार लोकल के तहत झलक राघव ने तीन वर्ष पहले फैक्ट्री खोली। फैक्ट्री में बन रहे पास्ता व मैक्रोनी समेत अन्य नूडल्स की पूरे दिल्ली एनसीआर में मांग है। एक हजार किलो प्रतिदिन से शुरू सामग्री का उत्पादन अब 10 हजार किलो तक पहुंच गया है। झलक राघव खुद आत्मनिर्भर बनीं और करीब 20 महिलाओं को फैक्ट्री में रोजगार देकर उनकी गृहस्थी की गाड़ी चला रही हैं।

ग्रेटर नोएडा में रहने वाले देवेश राघव की बेटी झलक राघव ने वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत प्रसंस्करण इकाई के लिए उद्यान विभाग के माध्यम से आवेदन किया था। विभाग के माध्यम से उन्होंने बैंक से 27 लाख रुपये का ऋण लिया। उन्हें 10 लाख रुपये पर 35 प्रतिशत यानी साढ़े तीन लाख रुपये अनुदान मिला था। झलक ने सूरजपुर स्थित औद्योगिक क्षेत्र में किराए की बिल्डिंग में ग्रो फूड नाम से फैक्टी शुरू की थी। फैक्ट्री में पास्ता और मैक्रोनी समेत अन्य नूडल्स बनाने शुरू किए। झलक बताती हैं कि एक हजार किलो सूजी और मैदा से नूडल्स बनाने का कार्य शुरू किया। मशीनों के माध्यम से सामग्री बनाने के लिए पांच महिलाओं को काम दिया। सामग्री की बिक्री के

झलक राघव • जागरण

1 हजार किलो प्रतिदिन से शुरू सामग्री का उत्पादन अब 10 हजार किलो तक पहुंच गया है

लिए गौतमबुद्ध नगर के व्यापारियों से संपर्क किया। इसके बाद धीरे-धीरे दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, साहिबाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद आदि के व्यापारियों से संपर्क किया। इसके बाद से फैक्ट्री में बने नूडल्स की मांग लगातार बढ़ती रही। अब हर महीने करीब 300 क्विंटल नूडल्स की सप्लाई करीब एक हजार व्यापारियों को की जा रही है। हाथों-हाथ आर्डर मिल रहे हैं। झलक बताती हैं वर्तमान में फैक्ट्री में 20 महिलाएं काम कर रही हैं। बड़ी मशीनें और संशाधन बढ़ाने की तैयारी है।

फैक्ट्री में काम करते लोग • जागरण

झलक राघव ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्यान योजना के तहत अनुदान लेकर फैक्ट्री खोली थी। उनकी फैक्ट्री में स्वदेशी खाद्य सामग्री बन रही है। खाद्य विभाग से लाइसेंस भी है। गुणवत्तापरक सामग्री बनाने से उनकी फैक्ट्री के नूडल्स की काफी मांग है। – ऋचा शर्मा,

सहायक उद्यान निरीक्षक, उद्यान विभाग